Workshop on 'Applied Natya Therapy' ends

PNS ■ RANCHI

A five-day long workshop on 'Applied Natya Therapy: Integrating Science & Arts for Mental Health through Bharat's Natyashastra', organised by Indira Gandhi National Centre for the Arts, Regional Centre Ranchi and Nari Samvaad Prakalp in collaboration with Department of Performing and Fine Arts, Ranchi University, concluded here on Friday.

On the last day of the event Dr. Ajay Kumar Mishra, Regional Director, IGNCA, RCR gave his valedictory speech. He emphasized on the view that Nari Samvaad Prakalp has been revived by Dr. Sachchidanand Joshi, Member Secretary, IGNCA in the year 2017 to look at the Gender aspect from Indian- perspective, which has been forgotten with the passage of time. Under the leadership of the Member Secretary, IGNCA, the Applied Natya Therapy has been introduced as the ongoing project of NSP.This unique tailored workshop has been executed for the first time in IGNCA's history. He specially thanked Dr. Sushma Jatoo, Project Director, Nari Samvaad Prakalp, IGNCA for her continuous guidance and supervision. He congratulated all the participants for their active participation.

The NariSamvaadPrakalp (NSP) Project undertaken by IGNCA, views women's contribution to art and culture as an integral part of its endeavor. The aim of this programme is to discover lost and suppressed voices of women, revision and contextualize women's cultural resources and traditional knowledge systems as an integral element of gender studies.

The workshop was organised under the leadership and orchestration of Dr. Ajay Kumar Mishra, Regional Director, IGNCA, Regional Centre Ranchi and Dr. SushmaJatoo, Project Director, NariSamvaadPrakalp, IGNCA, New Delhi. Dr. Poonam Dhan, Director, Department of Performing and Fine Arts, Ranchi University had extended her kind guidance and advice for all the arrangements of the workshop.

The inaugural function was graced by the presence of the Chief Guest, Prof. (Dr) Ramesh Kumar Pandey, Vice Chancellor, Ranchi University and the Guest of Honour, Prof. (Dr) Kamini Kumar, Pro-Vice Chancellor, Ranchi University.

More than 50 participants attended the workshop. In five days, Dr. Kaur conducted various psychological tests, which helped analyzing the condition of the mental health of the participants. Various physical exercises were taught that involved hand movements and along with intermixing of shlokas which was taken from the chapters of Natyashastra. Participants experienced a lot ofchanges and transformation post completion of the workshop. The posture reflected the changes, given with the intervention of Natyashastra. The participants of the workshop showed great enthusiasm and vigor. The techniques of depression relief using simple body postures, exercises and games were beneficial.

One of the participants, Bolo Kumari Oraon said. "My self-esteem was boosted. I came to know myself better. We learned the importance of time, energy, dedication, concentration and focus. We also learned how positivity and kindness brings positive changes in our life. We gained knowledge about many unknown subject related to Natya Shastra."

Prof. (Dr.) Ramesh Kumar Pandey, Vice Chancellor, Ranchi University and Prof. (Dr.) Kamini Kumar, Pro-Vice Chancellor, Ranchi University graced the closing ceremony. Certificates were awarded to the participants during the valedictory session of the workshop.

Prof. Kumar expressed her delight to be present on the occasion. She was extremely glad to see such an active participation and the benefits that all received from the workshop.

Dr. Pandey spoke about the stress factor which haunts every individual nowadays. According to him, this workshop was of utmost importance and expressed his interest in such a unique topic and process to strengthen mental health.

आईजीएनसीए के सहयोग से पांच दिवसीय कार्यशाला संपन्न

रांची। इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स, रीजनल सेंटर रांची और नारी संवाद प्रकल्प एवं परफोर्मिंग एवं फाईन आर्ट्स विभाग, रांची विवि के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला 'एप्लाइड नाट्य थेरेपी' का आज समापन हो गया। केंद्रीय पुस्तकालय रांची विवि में समापन समारोह हुआ। आईजीएनसीए आरसीआर के क्षेत्रीय निदेशक डा.अजय कुमार मिश्रा ने इस दृष्टिकोण पर जोर दिया कि नारी संवाद प्रकल्प को वर्ष 2017 में आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डा.सच्चिदानंद जोशी ने भारतीय परिप्रेक्ष्य से लैंगिक पहलू को देखने के लिए पुनजीवित किया है, जिसे समय बीतने के साथ भुला दिया गया है। सदस्य सचिव आईजीएनसीए के नेतृत्व में एप्लाइड नाट्य थेरेपी एनएसपी की चल रही परियोजना के रूप में इस कार्यक्रम को पेश किया गया था। उन्होंने डा.सुषमा जाटू, परियोजना निदेशक नारी समवेद प्रकाशन,

आईजीएनसीए को उनके निरंतर मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के लिए धन्यवाद दिया। उद्घाटन समारोह मुख्य अतिथि प्रो.रमेश पांडेय रांची विवि के कुलपति और विशिष्ट अतिथि प्रो.कामिनी कुमार, प्रो.वाइस चां. सलर, रांची विवि की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। कार्यशाला में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। पांच दिनों में डा. कौर ने विभिन्न मनोवैज्ञानिक परीक्षण किए। जिससे प्रतिभागियों के मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति का विश्लेषण करने में मदद मिली। विभिन्न शारीरिक अभ्यासों को दिखाया गया। जिसमें नाट्यशास्त्र के अध्यायों से लिए गए आंदोलनों और नारों का समावेश था। समारोह में प्रो.रमेश पांडेय ने एवं प्रोवीसी डा.कामिनी कुमार ने कार्यशाला के समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए। प्रो.कामिनी कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित होने पर प्रसन्नत्ता व्यक्त की। इस तरह की सक्रिय भागीदारी और कार्यशाला से मिलने वाले लाभों को देखकर वह बहुत खुश हुई। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के कार्यशाला हर तीन माह में होने चाहिए और उन्होंने डा.डिंपल कौर से यह कार्यशाला के लिए आग्रह भी किया। डा. पांडे ने उस तनाव कारक के बारे में बताया जो आजकल हर व्यक्ति को परेशान करता है। उनके अनुसार इस कार्यशाला का अत्यधिक महत्व था और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए इस तरह के एक अनोखे विषय और प्रक्रिया में अपनी रूचि व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि वह ऐसे कार्यशाला में खुद को शामिल करना चाहते हैं और वो आशा करते हैं कि इस तरह का कार्यशाला आईजीएनसीए फिर से आयोजित करेगा। अंत में डा.अजय कुमार मिश्रा, क्षेत्रीय निदेशक आईजीएनसीए ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

रांची विश्वविद्यालय में नाट्यशास्त्र पर पांच दिवसीय कार्यशाला संपन्न, कुलपति ने मानसिक स्वास्थ्य के लिए इसे उपयोगी बताया

तनाव से उबरने में मददगार है शास्त्रीय नृत्य

रांची | प्रमुख संवाददाता

रांची विश्वविद्यालय के परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स विभाग, इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स, रीजनल सेंटर रांची (आईजीएनसीए आरसीआर) और नारी संवाद प्रकल्प की ओर से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला एप्लाइड नाट्य थेरेपीः भारत के नाट्यशास्त्र के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के लिए विज्ञान और कला का एकीकरण का समापन शुक्रवार को हुआ। केंद्रीय पुस्तकालय के शहीद स्मृति सभागार में आयोजित समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय के अलावा प्रति कुलपति डॉ कामिनी कुमार मौजूद थीं।

कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए यह कार्यशाला उपयोगी रही। उन्होंने आगे भी इस तरह के आयोजन पर जोर दिया। प्रतिकुलपति डॉ कामिनी कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

ध्यान का महत्व जाना

- हर तीन माह में हो एप्लाइड नाट्य थेरेपी कार्यशाला : प्रति कुलपति
- कार्यशाला में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया

कहा कि इस तरह कार्यशाला हर तीन माह में होनी चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षक डॉ डिंपल कौर से आगे भी कार्यशाला आयोजित करने का आग्रह किया। आईजीएनसीए आरसीआर के क्षेत्रीय निदेशक डॉ अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि नारी संवाद प्रकल्प को वर्ष 2017 में आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ सच्चिदानंद जोशी ने भारतीय परिप्रेक्ष्य से लैंगिक पहलू को देखने के लिए पुनर्जीवित किया है। उनके नेतृत्व में, एप्लाइड नाट्य थेरेपी परियोजना चलाई जा रही है। डॉ अजय कुमार ने परियोजना निदेशक डॉ सुषमा जाटू के मार्गदर्शन के लिए आभार प्रकट किया।

कार्यशाला में पचास से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। पांच दिनों में प्रशिक्षक डॉ डिंपल कौर ने विभिन्न मनोवैज्ञानिक परीक्षण किए, जिससे प्रतिभागियों के मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति का विश्लेषण करने में मदद मिली। विभिन्न शारीरिक अभ्यास सिखाए गए। प्रतिभागियों ने सरल शारीरिक मुद्राओं, व्यायाम और खेल का उपयोग कर अवसाद से उबरने का तरीका जाना। प्रतिभागी बोलो कुमारी उरांव ने कहा कि इस कार्यशाला में शामिल होकर समय, ऊर्जा, समर्पण, एकाग्रता और ध्यान के महत्व को सीखा। साथ ही, नाट्यशास्त्र से संबंधित कई अज्ञात विषय के बारे में जानकारी मिली। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए। मौके पर परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स विभाग की निदेशक डॉ पूनम धान समेत अन्य शिक्षकगण के अलावा छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

रांची विश्वविद्यालय के शहीद स्मृति सभागार में चल रही कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

नाट्य चिकित्सा समेकित विज्ञान और कला पर वर्कशॉप का आयोजन

रांची | इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) की क्षेत्रीय शाखा, नारी संवाद प्रकल्प और आरयू के परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स विभाग की ओर से नाट्य चिकित्सा समेकित विज्ञान व कला विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन आरयू के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पांडेय, प्रोवीसी डॉ. कामिनी कुमार व डॉ. कमल कुमार बोस ने किया। वीसी ने कहा कि वर्कशॉप से स्टूडेंट्स की कला के प्रति रुचि बढ़ेगी। डॉ. सुषमा जाटू ने नारी संवाद प्रकल्प परियोजना के बारे में विस्तार से बताया।

कला के ज्ञान से होगा व्यक्तित्व का विकास

जागरण संवाददाता, रांची : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की क्षेत्रीय शाखा रांची, नारी संवाद प्रकल्प एवं रांची विवि के परफार्मिंग एंड फाइन आर्ट्स विभाग द्वारा नृत्य चिकित्सा समेकित विज्ञान और कला विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। उद्घाटन रांची विवि के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पांडेय, प्रोवीसी डॉ. कामिनी कुमार और हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कमल कुमार बोस ने किया। प्रो. पांडेय ने कहा कि ऐसी कार्यशाला से विद्यार्थियों की कला के प्रति रुचि बढ़ेगी। कहा, कला के प्रति ज्ञान बढ़ने के साथ ही मानसिक तौर पर मजबूत होंगे। डॉ. सुषमा जाटू ने नारी संवाद प्रकल्प परियोजना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं के सांस्कृतिक संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को बढ़ाना है। डिंपल कौर ने नाट्यशास्त्र पर चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पूनम धान ने किया। मौके पर आइजीएनसीए के क्षेत्रीय केंद्र रांची के निदेशक डॉ. अजय कुमार मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे।

रांची विश्वविद्यालय के शहीद स्मृति सभागार में पांच दिनी कार्यशाला की शुरुआत, विद्यार्थियों ने मेघ राग पर आधारित शास्त्रीय भाव नृत्य की प्रस्तुति दी

कला-विज्ञान का एकीकरण है एप्लाइड नाट्य थेरेपी

रांची | प्रमुख संवाददाता

रांची विश्वविद्यालय परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय शाखा रांची व नारी संवाद प्रकल्प की ओर से भारत के नाट्यशास्त्र के माध्यम से अनुप्रयुक्त नाट्य चिकित्साः समेकित विज्ञान और कला समाज के लिए कला विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत सोमवार को हुई।

रांची विवि के शहीद स्मृति सभागार में आयोजित उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय के अलावा प्रतिकुलपति डॉ कामिनी कुमार, सेंट जेवियर्स कॉलेज के हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ कमल कुमार बोस मौजूद थे। तीन मई तक चलनेवाली इस कार्यशाला का संचालन दिल्ली की शास्त्रीय नृत्यांगना व मनोचिकित्सक डॉ डिंपल कौर करेंगी। वह इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंस और सुमंगली इंस्टीट्यूट ऑफ वैल्युएबल आर्ट्स की संस्थापक व निदेशक हैं। उन्होंने शरीर के विकास और डांस मूवमेंट थेरेपी के क्षेत्र में विशेष रूप से काम किया है। कार्यशाला का आयोजन आईजीएनसीए क्षेत्रीय केंद्र रांची के निदेशक डॉ अजय कुमार मिश्र और नारी सम्मान प्रकल्प, आईजीएनसीए, नई दिल्ली की डॉ सुषमा जाटू के नेतृत्व में किया गया है।

सत्र की शुरुआत रांची विवि के परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स विभाग के विद्यार्थियों की ओर से गुरु वंदना पर कथक नृत्य, इसके बाद मेघ राग पर आधारित शास्त्रीय भाव नृत्य की प्रस्तुति हुई। आईजीएनसीए क्षेत्रीय निदेशक डॉ अजय मिश्रा ने नाट्यशास्त्र व उसके तत्वों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने प्रदर्शन कलाओं का वर्णन करनेवाले 6000 काव्यात्मक छंदों के साथ 36 अध्यायों के बारे में बताया।

सोमवार को शहीद स्मृति सभागार में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करतीं शास्त्रीय नृत्यांगना व मनोचिकित्सक डॉ डिंपल कौर।

विद्यार्थियों व प्रतिभागियों के लिए कार्यशाला महत्वपूर्णः कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय ने कार्यशाला की व्यवस्था के लिए डॉ डिंपल कौर की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों और प्रतिभागियों के लिए न सिर्फ ज्ञान को बढ़ाने के लिए, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के उपचार व रोगों पर नियंत्रण के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगी। डॉ सुषमा जाटू ने आईजीएनसीए और इसके उद्देश्यों और कार्यक्षेत्र की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की खोई और दबी हुई आवाजों की खोज करना, महिलाओं के सांस्कृतिक संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को पुनरीक्षण और संदर्भ देना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर नृत्य की प्रस्तुति देतीं छात्राएं। ● हिन्दुस्तान

नाट्यशास्त्र और संबंधित विषयों पर केंद्रित होगी कार्यशालाः प्रतिभागियों को बताया गया कि एप्लाइड नाट्य थेरेपी कला और विज्ञान का एक एकीकरण है। भारतीय पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों ने बड़े पैमाने पर भारतीय समाज और भारत के नाट्यशास्त्र की सामूहिक विवेकशीलता में योगदान दिया है। कला, सौंदर्यशास्त्र और नाटक के हर पहलू को जानने और भारतीय परंपरा को जीवित रखने में मदद की है।

भारतीय शास्त्रीय नृत्य को चिकित्सा के रूप में उपयोग करने का एक स्थायी दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव बनाने में यह कार्यशाला मदद कर सकती है। डॉ डिंपल कौर ने कहा कि पांच दिनों की कार्यशाला नाट्यशास्त्र और संबंधित विषयों पर केंद्रित होगी। यह 3 मई तक दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक, शहीद स्मृति सभागार, सेंट्रल लाइब्रेरी में चलेगी। कार्यक्रम में विभाग की निदेशक डॉ पूनम धाम समेत अन्य शिक्षकगण व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी जनसभा सम्बोधित करेंगे। दूसरी सभा धनबाद व दिल्ली के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। को सीख दी।

नाट्य थेरेपी कार्यशाला का उद्घाटन

महिलाओं की दबी आवाज को खोज निकालना है कार्यक्रम का उद्देश्य

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र क्षेत्रीय शाखा रांची, नारी संवाद प्रकल्प एवं परफॉर्मिंग तथा फाइन आर्ट विभाग विश्वविद्यालय के सहयोग से भारत नाट्य शास्त्र के माध्यम से अनुप्रयुक्त नाट्य चिकित्सा : समेकित विज्ञान और कला समाज के लिए कला विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 30 मई से तीन मई तक चलेगी। जिसका उद्घाटन सोमवार को किया गया। जिसमें नाट्य थेरेपी की जानकारी दी जायेगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है महिलाओं की खोई और दबी हुई आवाजों को खोज निकालना। एप्लाइड नाट्य थेरेपी कला और विज्ञान का एक एकीकरण है। भारतीय पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों ने बड़े पैमाने पर भारतीय समाज और भारत के नाट्य शास्त्र की सामूहिक विवेकशीलता में योगदान दिया है। कला सौंदर्य शास्त्र और नाटक के हर पहलू को जाना है। भारतीय परंपरा को जीवित रखने में मदद की है। नाट्य शास्त्र को उन लोगों के लिए एक आराम करने वाले स्थान के रूप में तैयार किया गया है, जो उन लोगों के लिए आराम करने वाले स्थान के रूप में सेवा करते हैं जो दुखी और थके हुए हैं। भारतीय शास्त्रीय नृत्य को चिकित्सीय और लिंग मॉडेलिटी के रूप में उपयोग करने का एक दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव बनाने में यह कार्यशाला मदद कर सकता है। मोरहाबादी स्थित केंद्रीय पुस्तकालय के शहीद स्मृति सभागार में आयोजित इस कार्यशाला के बारे में शास्त्रीय नृत्यांगना डॉ डिंपल कौर ने कुछ जानकारी दी। उन्होंने नाट्य शास्त्र पर केंद्रित किये जाने वाले बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वीसी डॉ रमेश कुमार पांडेय ने कहा कि कार्यशाला से न सिर्फ प्रतिभागियों को प्रदर्शन कला का लाभ होगा लेकिन मानसिक स्वास्थ्य उपचार और नियंत्रण के लिए मददगार साबित होगी। आइजीएनसीए की डॉ सुषमा जाटू ने नारी संवाद प्रकल्प परियोजना के बारे में जानकारी दी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र कला और संस्कृति में महिलाओं के योगदान तथा उनके प्रयास को अपना अभिन्न अंग मानता है। आइजीएनसीए के क्षेत्रीय केंद्र निदेशक डॉ अजय कुमार मिश्र ने स्वागत भाषण दिया। पूनम धान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

Tue, 30 April 2019
https://www.readwhere.com/read/c/38970235

Pioneer Ranchi-30-04-2019

WORKSHOP ON

'Integrating Science, Arts for Mental Health'

Ramesh Kumar Pandey, Vice Chancellor, Ranchi University along with Pro VC Kamini Kumar, Director IGNCA Ajay Kumar Mishra and others during the workshop on Applied Natya Therapy: Integrating Science & Arts for Mental Health through Bharata's Natyashastra organised by Indira Gandhi National Centre for the Arts, Regional Centre Ranchi at Central Library in Ranchi on Monday Vinay Murmu

PNS ■ RANCHI

The Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) Regional Centre Ranchi and Nari Samvaad Prakalp in collaboration with Department of Performing and Fine Arts, Ranchi University (RU) is organising a five day workshop on 'Applied Natya Therapy: Integrating Science & Arts for Mental Health through Bharat's Natyashastra' from April 29 to May 3. Inaugurated at Saheed Smriti Sabhaghar, Central Library, RU, it is being conducted by Dr. Dimple Kaur.

The Applied Natya Therapy is an integration of both Arts and Science. The Indian traditional knowledge systems has largely contributed to the collective conscience of Indian society and Bharat's Natyashastra, covering every aspect of art, aesthetics and drama and has helped in keeping the Indian tradition alive. It is designed to serve as a resting place for those who are aggrieved, weary, unhappy or engaged in arduous discipline.

The workshop is being organised to explain, experience and apply the elements of Natya Shastra as a potential high impact area and understand how it can help in creating a sustainable long term positive impact by using Indian classical dance as Therapeutic and Healing Modality.

The workshop is being organised under the leadership and orchestration of Dr. Ajay Kumar Mishra, Regional Director, IGNCA, Regional Centre Ranchi and Dr. Sushma Jatoo, Project Director, Nari Samvaad Prakalp, IGNCA, New Delhi. Dr. Poonam Dhan, Director, Department of Performing and Fine Arts, Ranchi University has also extended her kind guidance and advice for all the arrangements of the therapy programme.

Chief Guest for the inauguration ceremony was Vice-Chancellor RU, Ramesh Kumar Pandey and the guest of honour was Pro- Vice Chancellor RU Kamini Kumar. Kamal Bose, Head of the Department, Department of Hindi was also present. Kaur is a classical dancer, an eminent psychotherapist and hypnotherapist from New Delhi. She is also the founder director of Institure of Behavioural Science and Sumangali Institute of Valuable Arts and has done pioneering work in areas of mind body development and dance movement therapy. The programme started with lighting of lamp followed by the Guru Vandana, a Kathak choreography. The guests were felicitated on behalf of IGNCA with a traditional shawl and Shri Ramcharitmanas. A semi-classical song and Classical Bhav Nritya based on Megh raag was staged thereafter. All the performances were presented by the students of Department of Performing and Fine Arts, RU.

Welcoming the guests and participants, Mishra spoke about the importance of Natyashastra and its elements, which contains 36 chapters with a cumulative total of 6000 poetic verses describing performance arts. He elaborated that this ancient encyclopedic treatise on the arts has been researched and an exceptional procedure of treating mental health has been derived from its contents by Dr. Dimple Kaur, the project investigator, Applied Natya Therapy.

Pandey appreciated Kaur and RCR for organising a distinctive workshop which will not only prove to be of great importance for the participants but will also help in enhancing their knowledge of the performing arts and its application to treat or control mental health.

Jatoo spoke about the aims, objectives and areas of work of IGNCA. She also elaborated about the Nari Samvaad Prakalp Project under the Kalakosa division of IGNCA. The aim of this programme is to discover lost and suppressed voices of women, revision and contextualize women's cultural resources and traditional knowledge systems as an integral element of gender studies.

A brief introduction and elements of the five day workshop was explained by Kaur who also spoke about Natyashastra and the topics on which the workshop would focus. Poonam Dhan, thanked IGNCA, RCR, the Department of Performing and Fine Arts and the audience for gracing the occasion.

लोकसभा निर्वाचन–2019
अति महत्वपूर्ण

सुदृढ़ प्रजातंत्र हेतु वृहत्तर सहभागिता
उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी
का कार्यालय, देवघर (जिला निर्वाचन शाखा)

-:आदेश:-

लोकसभा निर्वाचन, 2019 के निमित्त अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग झारखंड, राँची के पत्रांक 2054, दिनांक 29.03.2019 एवं पत्रांक 2158, दिनांक 01.04.2019 के संदर्भ में सर्वसाधारण को सूचित करना है कि भारत

नृत्य कला व विज्ञान का मेल, शरीर और मस्तिष्क पर पड़ता है असर

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के नारी संवाद संकल्प एवं परफॉर्मिंग एवं फाइन आर्ट्स विभाग की ओर से सोमवार को इंटरनेशनल डांस डे मनाया गया. पांच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई. मुख्य वक्ता सह प्रशिक्षक डॉ डिंपल कौर ने कहा कि नृत्य कला और विज्ञान का मेल है. इससे पूरे शरीर और मस्तिष्क पर असर पड़ता है. पूर्व में नृत्य ही एक ऐसा माध्यम था जिसके तहत लोग ऑडियो और वीडियो को महसूस करते थे. इससे लोग आराम, शांति और आनंद की अनुभूति करते थे. ऐसे में सोच का प्रभाव शरीर पर दिखता है. इस परिस्थिति में लोगों को नृत्य शौली में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए.

डॉ डिंपल ने कहा कि नाट्य या नृत्य कला थेरेपी की तरह है. इससे शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं. नृत्य शैली से लोगों को तनाव से मुक्ति, शारीरिक भंगिमा में सुधार, आत्म सम्मान, सावधानी, बोलचाल में बदलाव, नेतृत्वकर्ता की क्षमता, डर, अकेलेपन से दूर और जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है. ऐसे में प्रत्येक दिन किया गया आधे घंटे का नृत्य मनुष्य को आराम दायक जीवन देने में कारगर है.

कार्यशाला की शुरुआत वीसी रांची यूनिवर्सिटी डॉ रमेश कुमार पांडेय और प्रति कुलपति डॉ कामिनी कुमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के निदेशक डॉ अजय कुमार मिश्रा, डॉ सुषमा जाटू, डॉ कमल बोस और पूनम धान के नेतृत्व में की गयी. एके मिश्रा ने कहा कि नृत्य से इंसान के भाव में तेजी से बदलाव आता है. इससे शरीर को ऊर्जा की अनुभूति होती है. वहीं सुषमा जाटू ने तनाव भरे जीवन में इस तरह के प्रयास की सराहना की.

इंटरनेशनल डांस डे पर आयोजित कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ.

आईजीएनसीए के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन

रांची। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय शाखा रांची नारी संवाद प्रकल्प एवं परफोर्मिंग एवं फाइन आर्ट्स विभाग, रांची विवि के सहयोग से भारत के नाट्यशास्त्र के माध्यम से अनुप्रयुक्त नाट्य चिकित्सा समेकित विज्ञान और कला समाज के लिए कला पर एक कार्यशाला का उद्घाटन 29 अप्रैल को शहीद स्मृति सभागार रांची विवि में किया गया। यह कार्यशाला 29 अप्रैल से तीन मई तक चलेगी जिसका संचालन डा. डिंपल कौर एक शास्त्रीय नृत्यांगना नई दिल्ली की एक प्रतिष्ठित मनोचिकित्सक द्वारा किया गया। यह इंस्टीच्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंस और सुमंगली इंस्टीच्यूट ऑफ वैल्युएबल आर्ट्स के संस्थापक एवं निदेशक है। उन्होंने शरीर के विकास और डांस मूवमेंट थेरेपी के

क्षेत्र में काम किया है। कार्यशाला का आयोजन आईजीएनसीए, क्षेत्रीय केंद्र रांची के निदेशक डा.अजय कुमार मिश्रा एवं डा.सुषमा जाटू, नारी सम्मान प्राल्प, आईजीएनसीए नई दिल्ली के नेतृत्व में किया। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर रांची विवि के कुलपति डा.रमेश कुमार पांडेय और विशिष्ट अतिथि डा.कामिनी कुमार प्रोवीसी की उपस्थिति में हुआ एवं हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.कमल बोस अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उद्घाटन कार्यक्रम की शुरूआत गुरू वंदना, कथक नृत्य एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। मंच पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों को आईजीएनसीए की ओर से पारंपरिक शॉल और श्री रामचरितमानस के साथ सम्मानित किया गया। इसके बाद मेघ राम पर आधारित एक शास्त्रीय भाव नृत्य का मंचन किया गया। सभी प्रदर्शन रांची विवि के परफोर्मिंग एवं फाइन आर्ट्स विभाग के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। डा.मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण के माध्यम से कार्यशाला के सभी सम्मानित अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने नाट्यभारत और उसके तत्वों के महत्व के बारे में बताया। जिसमें प्रदर्शन कलाओं का वर्णन करने वाले कुल 6000 काव्यात्मक छंदों के साथ 36 अध्यायों के बारे में बताया। प्रो.आरके.पांडे ने कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित होने के लिए अपनी अपार खुशी व्यक्त की। उन्होंने नाट्यशास्त्र और प्रदर्शन कला में इसके महत्व के बारे में अवगत कराया। उन्होंने एक विशिष्ट कार्यशाला की व्यवस्था के लिए डा.डिंपल और क्षेत्रीय शाखा रांची को इस तरह के अद्भूत प्रयास के लिए बहुत धन्यवाद दिया एवं सराहना की। डा.सुषमा जाटू सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

AAJ Hindi Ranchi 30-04-2019